

सूचना: सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्नपत्र का सही क्रम ही उत्तरवही में लिखें।

- प्रश्न:1 'विभावानुभाव व्यभिचारिसंयोगाद्रस निष्पत्ति' भरत के इस रससूत्र की व्याख्या कीजिए । 14
अथवा
"अभिनव गुप्त ने रस-सिद्धांत के सम्बन्ध में अनेक नूतन स्थापनाएँ की हैं" चर्चा कीजिए ।
- प्रश्न:2. "साधारणीकरण न आश्रय का होता है और न आलंबन का, वरना कवि की अनुभूतियों का होता है" सप्रमाण उत्तर दीजिए । 14
अथवा
"सहृदय द्वारा किस प्रकार रसोपलब्धि होती है" सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
- प्रश्न:3 काव्य शोभाकारक तत्व के रूप में बिम्ब की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए । 14
अथवा
काव्य में छंद की महत्ता और उपयोगिता बताइए ।
- प्रश्न:4 वर्ड्सवर्थ का काव्य भाषा सम्बन्धी विवेचन स्पष्ट कीजिए । 14
अथवा
काव्य भाषा और काव्यात्मक भाषा को समझाइए ।
- प्रश्न:5 योग्य विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । (किन्हीं सात) 14
- कल्पना की अवधारणा पर किस कवि का योगदान महत्वपूर्ण है ?
(A) किशोर गोयनका (B) सिमोन्स
(C) वेकंट शर्मा (D) कॉलरिज
 - काव्य-सृजन की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण तत्व है:
(A) प्रेरणा (B) अभ्यास
(C) प्रतिभा (D) ये सभी
 - आ.शंकुक के मतानुसार रसनिष्पत्ति का अर्थ है:
(A) भानुमति (B) अनुमिति
(C) प्रीति (D) ये सभी
 - विरेचना का सामान्य अर्थ होता है:
(A) व्युत्पत्ति करण (B) बौद्धिक आनंद
(C) करूणा जन्य (D) शुद्धिकरण
 - काव्य का महत्वपूर्ण तत्व है:
(A) अलंकार (B) बिम्ब
(C) प्रतीक (D) A,B,C तीनों

6. 'वक्रोक्तिजीवितम्' ग्रंथ के कवि है:
 (A) भरतमुनि (B) राजशेखर
 (C) दण्डी (D) कुन्तक
7. भट्टनायक ने काव्यास्वादन की अंतिम स्थिति को क्या नाम दिया है ?
 (A) कल्पना तत्व (B) काव्य तत्व
 (C) भोजकत्व (D) A और B
8. उपमेय, उपमान, वाचक शब्द किस अलंकार के महत्वपूर्ण तत्व हैं ?
 (A) उत्प्रेक्षा (B) रूपक
 (C) अतिशयोक्ति (D) उपमा
9. इलियट की भाषा संबंधी अवधारणा पर किन दो महान विचारकों का प्रभाव है ?
 (A) कॉलरिज - अरस्तू (B) दाँते - वर्डवर्थ
 (C) क्रोचे - राजशेखर (D) A और B दोनों
10. भरत के रस-सूत्र की व्याख्या निम्न में से किस आचार्य ने नहीं की ?
 (A) शंकुक (B) रघुनाथ भट्ट
 (C) भट्ट नायक (D) भट्ट लोल्लट
11. व्यंग्यार्थ वाचक शब्द से किस शब्दशक्ति का बोध होता है ?
 (A) व्यंजना (B) लक्षणा
 (C) अभिधा (D) इनमें से कोई नहीं
12. निम्न में से राजशेखर के ग्रंथों की कौन-सी जोड़ सुमेलित है ?
 (A) काव्यशास्त्र, नाट्यशास्त्र (B) न्याय दर्शन, रस निष्पत्ति
 (C) काव्यमीमांसा, बाल भारत (D) अभिनव भारती, रस-सिद्धांत